देहरादून,पौड़ी-गढ़वाल व अल्मोड़ा से प्रकाशित | www.page3news.in | नगर संस्करण वर्ष 16 अंक: 256 पृष्ठ : 8 मूल्य: एक रूपए

विचार-प्रवाह...बीजेपी के लिए अहम यूपी-युके

देहरादून, रविवार, 16 जनवरी 2022

पेज थ्री

मौसम अधिकतम 15.0° न्यूनतम 6.0° | 39243.39 | 2 एन95 या केएन95 पहनने की सलाह | 7 गब्बर ने शुरू की वनडे की तैयारी

कोई भी एकतरफा कार्रवाई बर्दाश्त नहीं

आर्मी चीफ जनरल नरवणे की चीन को बड़ी चेतावनी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। आर्मी चीफ जनरल एमएम नरवणे ने शनिवार को चीन को दो टूक संदेश दिया। सेना दिवस परेड को संबोधित करतए हुए शनिवार को देश के सेना प्रमुख ने कहा कि भारतीय सेना का मेसेज साफ है कि वह देश की सीमा पर यथास्थिति में एकतरफा बदलाव की किसी कोशिश को कामयाब नहीं होने देगी। उन्होंने कहा कि पिछला साल सेना के लिए बहुत चुनौतीपूर्ण था। उन्होंने चीन के साथ लगने वाली उत्तरी सीमाओं पर घटनाक्रम का हवाला भी दिया।

सेना दिवस, 1949 में अपने ब्रिटिश पूर्ववर्ती के स्थान पर भारतीय सेना के पहले भारतीय कमांडर इन चीफ के तौर पर फील्ड मार्शल के एम करियप्पा के प्रभार संभालने के उपलक्ष्य में हर साल 15 जनवरी को मनाया जाता है। पूर्वी लद्दाख

चीन के साथ 14वीं बैठक सकारात्मक रही

जनरल मनोज मुकुंद नरवणे ने कहा कि पिछले साल चीन के तनाव के कारण सेना के लिए चुनौतीपूर्ण स्थिति थी और हाल ही में हुई 14वीं बैठक में स्थिति को नियंत्रण में रखने का प्रयास किया गया है। उन्होंने कहा कि इस बैठक में कई बिंदुओं पर सकारात्मक बातचीत हुई है। सीमा पर हालात पिछले साल से बेहतर है।

300-400 पाक आतंकी सीमा में घुसपैठ की फिराक में

आर्मी चीफ ने पाकिस्तान को चेताते हुए कहा कि भारतीय सेना ने इस साल 200 से ज्यादा आतंकी मारे हैं, और आगे भी इस तरह की कार्रवाई जारी रहेगी। वहीं उन्होंने जानकारी दी कि 300 से 400 आतंकी भारतीय सीमा में घुसपैठ करने की फिराक में लांचिंग पैड पर बैठे हैं। इस साल सीजफायर उल्लंघन के मामलों में 44 प्रतिशत इजाफा हुआ है जो पाक की नापाक हरकतों को दर्शाता है।

गतिरोध की ओर इशारा करते हुए, जनरल नरवणे ने कहा कि स्थिति नियंत्रण में रखने के लिए भारत और चीन में सैन्य स्तर की 14वें दौर की वार्ता हाल में हुई। उन्होंने कहा कि विभिन्न स्तरों पर संयुक्त प्रयासों से कई इलाकों में सैनिकों के पीछे हटने का काम पूरा हुआ जो अपने आप में एक रचनात्मक कदम है।

जनरल नरवणे ने कहा कि परस्पर एवं बराबर सुरक्षा के आधार पर, मौजूदा स्थिति का समाधान ढूंढने के लिए प्रयास जारी रहेंगे। उन्होंने कहा कि देश की सुरक्षा के लिए बर्फ से ढके पहाड़ों पर तैनात जवानों का मनोबल आसमान छू रहा है। जनरल नरवणे ने कहा, हमारा धैर्य हमारे आत्मविश्वास की निशानी है, लेकिन किसी को भी इसे परखने की गलती नहीं करनी चाहिए।

उन्होंने कहा, हमारा संदेश साफ है, भारतीय सेना देश की सीमा पर यथास्थिति बदलने की एकतरफा कोशिश सफल नहीं होने देगी। पैंगोंग झील क्षेत्र में हिंसक झड़प के बाद पांच मई, 2020 से भारत और चीन की सेनाएं पूर्वी लद्दाख में सैन्य गतिरोध में उलझी हुई हैं। गतिरोध को हल करने के लिए दोनों देशों ने 14 दौर की सैन्य स्तर की वार्ता की है। जनरल नरवणे ने कहा कि नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर स्थिति पिछले साल से बेहतर है लेकिन पाकिस्तान अब भी आतंकवादियों को पनाह दे रहा है।

चीन और पाकिस्तान दोनों को दिया कड़ा संदेश

चीन और पाकिस्तान को कड़ा संदेश देते हुए नरवणे ने चेताया कि कोई भी भारतीय सेना के सब्र की परीक्षा न ले। उन्होंने कहा कि सेना चीन के साथ विवाद को बातचीत और राजनीतिक स्तर पर हल करने की कोशिश कर रही है लेकिन किसी को सेना के धैर्य की परीक्षा लेने की गलती नहीं करनी चाहिए, नहीं तो अंजाम बुरे होंगे। सेना दिवस के मौके पर आर्मी डे परेड को संबोधित करते हुए सेना प्रमुख जनरल एमएम नरवणे ने देश को भरोसा दिलाते हुए कहा कि गलवान में शहीद हुए जवानों का बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा। इस दौरान उन्होंने चीन को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि सभी जानते हैं कि पूर्वी लद्दाख में चीन के साथ तनाव चल रहा है।

संक्षिप्त समाचार

विराट कोहली ने टेस्ट की कप्तानी छोड़ी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के टेस्ट कप्तान विराट कोहली ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। शनिवार को कोहली ने सोशल मीडिया पर एक संदेश जारी करते हुए टेस्ट कप्तानी छोड़ने की घोषणा कर सबको चौंकाया। पिछले साल यूएई में खेले गए आइसीसी टी20 विश्व कप से पहले उन्होंने इस फार्मेट की कप्तानी छोड़ी थी। इसके बाद उनको चयनकर्ताओं ने वनडे टीम की कप्तानी से हटाने का फैसला लिया था।

सीएम योगी आदित्यनाथ गोरखपुर से लड़ेंगे चुनाव

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी ने बड़ा धमाका किया है। सीएम योगी आदित्यनाथ को लेकर पार्टी ने सभी अनुमान को फेल कर दिया है। उनको गोरखपुर शहर से प्रत्याशी बनाया गया है। भारतीय जनता पार्टी ने डप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य को भी चुनाव के मैदान में उतार दिया है।

चुनावी रैलियों और रोड शो पर हफ्ते भर की रोक

बढ़ते कोरोना के मामलों के बीच निर्वाचन आयोग का बड़ा फैसला

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। देश में बढ़ते कोरोना के मामलों के बीच चुनाव आयोग ने 22 जनवरी तक मतदान वाले राज्यों में चुनावी रैलियों और रोड शो पर रोक लगा दी है। पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव के चलते चुनाव आयोग ने यह फैसला लिया है। राजनीतिक रैलियों में प्रतिबंध को लेकर चुनाव आयोग ने आज केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव के साथ कई बैठकें कीं। उत्तर प्रदेश, पंजाब, गोवा, उत्तराखंड और मणिपुर में यथासंभव सुरक्षित रूप से चुनाव कराने के उद्देश्य से रैलियों और रोड शो पर प्रतिबंध लगाने का आदेश चुनाव आयोग की तरफ से पारित कर दिया गया है।

जनसभाओं और रैलियों पर चुनाव आयोग ने राजनीतिक पार्टियों को कुछ राहत दी है। अब इनडोर वाली जगहों पर अधिकतम 300 या कुल क्षमता के 50 फीसदी लोगों के साथ बैठकें आयोजित की जा सकेंगी। हालांकि, चुनाव आयोग ने राजनीतिक दलों को हिदायत दी है कि कोविड प्रोटोकाल का इन सभाओं के दौरान कड़ाई से पालन करना होगा और आदर्श चुनाव आचार संहिता का भी उल्लंघन नहीं होना चाहिए।

बता दें कि चुनाव आयोग ने आठ जनवरी को उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, गोवा, पंजाब और मणिपुर में विधानसभा चुनावों के कार्यक्रम का एलान करते हुए महामारी के मद्देनजर 15 जनवरी तक रैलियों, रोड शो और नुक्कड़ सभाओं पर प्रतिबंध लगा दिया था।

उम्मीदवारों को वर्चुअल मोड के माध्यम से रैली करने की सलाह

मुख्य चुनाव आयुक्त सुशील चंद्रा ने पिछले सप्ताह कहा था कि उम्मीदवारों को यथासंभव वर्चुअल मोड के माध्यम से प्रचार करना चाहिए। सार्वजनिक सड़कों पर कोई नुक्कड़ सभा नहीं होगी और मतगणना के बाद कोई विजय जुलूस नहीं होगा।

चुनावी राज्यों में तेजी से बढ़ रहे कोरोना के मामलेः गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश, पंजाब, गोवा, मणिपुर और उत्तराखंड में चुनाव हो रहे हैं, जबकि देशभर में कोरोना के मामलों में भयावह वृद्धि हुई है, जिसमें कुछ मतदान वाले राज्य भी शामिल हैं। उत्तर प्रदेश ने इस महीने के पहले सप्ताह में कोरोना संक्रमणों में भारी 1,300 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है, जबकि पंजाब के 22 में से 16 जिलों में सकारात्मकता दर पांच प्रतिशत से अधिक है, जो कि एक खतरे का स्तर है।

उत्तराखंड में 24 घंटे में मिले 3848 नए मरीज

संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड में कोरोना संक्रमण लगातार बढ़ रहा है। शनिवार को राज्य में 3848 नए मामले सामने आए हैं। वहीं दो संक्रमितों की मौत हुई। अब तक कुल 7428 मरीजों की मौतें हो चुकी है। पिछले 24 घंटे में 1184 मरीज स्वस्थ हुए हैं। इन्हें मिलाकर 337537 मरीजों ने संक्रमण को मात दी है। वर्तमान में 14892 सक्रिय मरीजों का इलाज चल रहा है। प्रदेश की रिकवरी दर 91.90 प्रतिशत और सैंपल जांच के आधार पर संक्रमण दर 12.42 प्रतिशत पहुंच गई है।

देहरादून जिले में सबसे ज्यादा 1362 संक्रमित मिले हैं। नैनीताल में 719, हरिद्वार में 641, ऊधमसिंह नगर में 412, चंपावत में 67, पौड़ी में 168, अल्मोड़ा में 128, टिहरी में 109, पिथौरागढ़ में 50, बागेश्वर में 75, चमोली में 63, रुद्रप्रयाग में 26, उत्तरकाशी जिले में 28 संक्रमित मिले हैं।

बीमारियों से ग्रसित रहे ओमीक्रोन से सावधानः दून मेडिकल कॉलेज चिकित्सालय के कोरोना नोडल अधिकारी डॉ. अनुराग अग्रवाल ने कोरोना के नए वैरियंट ओमीक्रॉन से ऐसे लोगों को सतर्क रहने के लिए कहा है। जिनको पहले से कोई बीमारी है। उन्होंने कहा कि ओमीक्रॉन वायरस बहुत तेजी से फैलता है। ज्यादातर केस में ये हल्के लक्षण ही पैदा करता है जैसे कि बुखार, बदन दर्द, पीठ दर्द, गला खराब होना, खांसी, दस्त आदि। लेकिन जो मरीज बड़ी आयु के हैं या फिर पुरानी बीमारियों से ग्रसित हैं, उनमें ये गम्भीर रूप ले सकता है। सभी आमजन से अपील है कि ऐसे कोई भी लक्षण को न छुपाएं, फ्लू ओपीडी में दिखाएं, कोरोना टेस्टिंग जरूर कराएं। डॉक्टर के परामर्श से दवाएं लें। पुराने मरीज अपनी दवाएं ना छोड़ें। मास्क व सोशल डिस्टेसिंग का का पालन जरूर करें। नंबर आने पर वैक्सीन जरूर लें।

अलर्ट

■सक्रिय संक्रमितों का आंकड़ा साढ़े 14 हजार पार

विरासत की सियासत के दम पर राजनीति!

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

देहरादून। चुनावी राजनीति में परिवारवाद हमेशा से ही बड़ा मुद्दा रहा है। लेकिन इस मुद्दे के बावजूद राजनीति में परिवारवाद हावी है। प्रदेश में सत्तारूढ़ भाजपा हो या कांग्रेस दोनों ही दल परिवारवाद की छाया से बाहर नहीं निकल पाए हैं। फायदा लेने के लिए सियासी दलों ने भी परिवारवाद को जब

कोई नहीं चूका पांव जमाने का मौका

चाहा अपनाया और जब चाह इस मुद्दे पर सियासत भी की। विरासत की इस सियासत के दम पर राजनीति कर रहे उत्तराधिकारी टिकट की चाहत कर रहे हैं।

परिवारवाद की राजनीति के मामले में कांग्रेस साफ्ट टारगेट रही है। भाजपा ने इस मुद्दे पर कांग्रेस पर हमेशा प्रहार किए। लेकिन तस्वीर का दूसरा पहलू यह भी है कि वह खुद परिवारवाद की छाया से महफूज नहीं रह पाई।

उत्तराखंड के उपचुनाव इतिहास साक्षी है कि जब-जब भाजपा के सामने नया उत्तराधिकारी के चुनाव का अवसर आया, उसे राजनीतिक फायदा लेने के लिए परिवार के सदस्य को ही चुना।